रोहतक, 2 मार्च। हरियाणा के राज्यपाल एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) के कुलाधिपति प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में नव-निर्मित 36 यूनिवर्सिटी फ्लैट्स परिसर तथा खेल छात्रावास का उद्घाटन किया, तथा आर्य भट्ट सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लैबोरेट्री (सीआईएल) की आधारशिला रखी।

हरियाणा के राज्यपाल-कुलाधिपति का आज मदवि परिसर पहुंचने पर कुलपति प्रो. बिजेन्द्र कुमार पूनिया, रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज तथा विभिन्न संकायों के अधिष्ठाताओं तथा जिला के आला अधिकारियों ने स्वागत किया। राज्यपाल को हरियाणा पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

तदुपरांत, राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने लगभग 4 करोड़ 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित 36 यूनिवर्सिटी फ्लैट्स का उद्घाटन किया। 3024 वर्ग मीटर कवर्ड एरिया में बने इन फ्लैट्स से मदवि गैर शिक्षक कर्मियों को रिहायशी सुविधा मिलेगी। राज्यपाल ने लगभग 1 करोड़ 38 लाख रुपए की लागत से निर्मित खेल छात्रावास का भी उद्घाटन किया। इस खेल छात्रावास में 50 खिलाड़ियों की रहने की व्यवस्था होगी।

आज ही मदवि परिसर में हरियाणा के राज्यपाल-कुलाधिपति ने 3 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से निर्मित किए जाने वाली आर्य भट्ट सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लैबोरेट्री की आधारशिला भी रखी। इस विशिष्ट उपकरण प्रयोगशाला में 8 बड़ी प्रयोगशालाएं तथा 6 छोटी प्रयोगशालाएं होंगी। इसमें एक कांफ्रेंस कक्ष का भी प्रावधान होगा। गौरतलब है कि सीआईएल का निर्माण राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत प्राप्त वित्तीय अनुदान से होगा।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने मदवि प्रशासन को इन महत्त्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. बिजेन्द्र कुमार पूनिया, डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एनआर गर्ग, रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज, निदेशक सीआईएल प्रो. अरूण नंदा, निदेशक रूसा प्रो. प्रदीप अहलावत, विभन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, विवि के कार्यकारी अभियंता जगदीश दहिया समेत अन्य अधिकारी, मदवि शिक्षक संघ प्रधान डा. विकास सिवाच तथा मदवि गैर शिक्षक कर्मचारी संघ प्रधान कुलवंत मलिक तथा इन संघ के अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे। जिला उपायुक्त अतुल कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक पंकज नैन समेत जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

हर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक
36 टाईप - 1ए फ्लैट्स
(36 TYPE-IA FLATS)
का
उद्घाटन
प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी
प्रो. बिजेन्द्र कुमार पुनिया

का
उद्घाटन
कुलपति

रोहतक, 2 मार्च। भारत को यदि रोजगार-सृजनकत्ताओं का देश बनाना है तो उद्यमिता का रास्ता चुनना होगा। उद्यमिता के जरिए न केवल रोजगार सृजन का रास्ता प्रशस्त होगा, बल्कि इससे अर्थ एवं संपत्ति सृजन भी होगा। जरूरत है कि भारत में अनुकूल स्टार्ट-अप संस्कृति विकसित की जाए। हरियाणा के राज्यपाल एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) के कुलाधिपति प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने आज ये उद्गार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन एवं शोध संस्थान (इमसॉर) के तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में व्यक्त किए। स्टार्ट अप इंडिया रेसिपी फॉर इनक्लूसिव एन्त्रोप्रोनियरशिप एण्ड इन्नोवेशन: इस्यूज़ एण्ड चैलेंज्स विषय पर इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

राज्यपाल-कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने अपने संबोधन में कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्थाके विकास में उद्यमिता की विशेष भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया कार्यक्रम उद्यमिता विकास हेतु प्रभावी पहल है। प्रो. सोलंकी ने कहा कि उद्यमिता विकास से समाज में आर्थिक विषमताओं को भी दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नव-उद्यमियों द्वारा स्थापित फ्लिपकार्ट, स्वैपडील तथा जौमेटो जैसी कंपनियों ने स्टार्ट अप का माहौल भारत में बनाया है। उन्होंने इमसॉर एवं मदवि को ऐसे प्रासंगिक विषय पर संगोष्ठी आयोजित किए जाने के लिए बधाई दी।

इससे पूर्व, मदवि के कुलपति प्रो. बिजेन्द्र कुमार पूनिया ने स्वागत भाषण दिया। कुलपति प्रो. पूनिया ने पिछले एक वर्ष में मदवि की प्रगति यात्रा का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एन्त्रोप्रोनियरशिप स्वरोजगार का सशक्त माध्यम है। कुलपति ने कहा कि एन्त्रोप्रोनियरशिप तथा इन्नोवेशन के समावेश से आर्थिक विकास तथा भविष्योन्मुखी भारत का सपना पूरा होगा।

इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता हैवर्थ कालेज ऑफ बिजनैस, वेस्टर्न मिशीगन यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रोफेसर डा. दामोदर गोलहर ने उद्यमिता क्षेत्र के विभिन्न आयामों एवं चुनौतियों पर केन्द्रित विचारोत्तेजक भाषण दिया। प्रो. दामोदर गोलहर ने कहा कि भारत में उद्यमिता की संस्कृति एवं प्रथा पहले से मौजूद है। उन्होंने इस संबंध में जमशेद जी टाटा, घनश्याम दास बिरला, धीरू भाई अंबानी, अजीज प्रेमजी, नंदन निलेकेनी, नारायण मूर्ति, शहनाज हुसैन, आदि का जिक्र किया। प्रो. दामोदर का कहना था कि प्रभावी उद्यमी बनने के लिए अपने-अपने उद्यम के जरिए वैल्यु एडीशन का प्रयास किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि वैश्विक स्तर पर एन्त्रोप्रोनियरशिप में कामयाबी के लिए सोच में बदलव जरूरी है। उनका मानना था कि उद्यमिता में प्रयोगधर्मिता प्रधान है। ऐसे में रिस्क टेकिंग ऐबीलिटी (जोखिम लेने की प्रवृत्ति) अहम होती है। सरकार को भी नव-उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए अनुकूल गवर्नेंस व्यवस्था बनानी होगी, ऐसा उनका कहना था, विशेष रूप से पर्यटन, कपड़ा उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, ससटेनेबल इनवायरमेंट, शिक्षा आदि क्षेत्रों में।

कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशक, इमसॉर तथा प्रबंध विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एएस बूरा ने स्वागत भाषण दिया। आभार प्रदर्शन प्रो. कमलेश गक्खड़ ने किया। मंच संचालन प्राध्यापिका डा. दिव्या मल्हान तथा शोधार्थी शीबा काद्यान ने किया। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन प्राध्यापक डा. रामफूल ने किया। इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 तकनीकी सत्रों में समावेशी उद्यमिता तथा नवोन्मेष एवं स्टार्ट अप इंडिया के विभिन्न आयामों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

मदवि के राधाकृष्णन सभागार में आयोजित इस संगोष्ठी कार्यक्रम में डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एनआर गर्ग, रजिस्ट्रार जितेन्द्र भारद्वाज, इमसॉर के प्राध्यापकगण, मदवि के संकायों के डीन तथा शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष एवं प्राध्यापक, आईआईएम रोहतक के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय बंसल, डेलीगेट्स, शोधार्थी-विद्यार्थी मौजूद रहे।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
WELCOMES
RENEURSHIP AND INNOVATION: ISSUES AND CHALLENGES
MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
INTERNATIONAL CONFERENCE
ON
ISSUES AND CHALLENGES
arch 2-3, 2017, 10:00 A.M.
Venue:
MDU, Rohtak

AHARSHI DAYANAND UN
RSITY
NAAC Accredited 'A' Gr
CHIEF GUEST
NGH SOLA
OR, HARYANA
NAND UNIVE
S AND C
USA

MAHARSHI D
ANAND U
NAAC
edited 'A' G
F GUEST
Start Up I
perous Indi
SOLANK
ARYANA
UNIVERSIT
NFERENCE
HIP AND I
aker
ent, Wester
0:00 A.M.
orium, MDU,

रोहतक, 2 मार्च। हरियाणा के राज्यपाल एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) के कुलाधिपति प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय यूथ रेड क्रॉस समिति के तत्वावधान में एक एंबुलेंस, सात व्हील चेयर तथा 22 प्राथमिक उपचार बॉक्स का लोकार्पण किया।

राज्यपाल-कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने विश्वविद्यालय प्रशासन को एंबुलेंस,व्हील चेयर तथा प्राथमिक उपचार बॉक्स सुविधाओं के लिए बधाई दी। कुलपति प्रो. बिजेन्द्र कुमार पूनिया ने राज्यपाल-कुलाधिपति को बताया कि ये सारे प्राथमिक उपचार बॉक्स मदवि के छात्रावासों में उपयोग में लाए जाएंगे। व्हील चेयर का इस्तेमाल विश्वविद्यालय सचिवालय, परीक्षा सदन, स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर, विवेकानंद पुस्तकालय तथा बॉयज एवं गर्ल्ज हास्टल परिसर में किया जाएगा। एंबुलेंस पूरे विश्वविद्यालय समुदाय के काम आएगा।
मदवि यूथ रेड क्रॉस कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राधेश्याम ने कुलाधिपति एवं विश्वविद्यालय प्रशासन का आभार जताया। यह लोकार्पण कार्यक्रम राधाकृष्णन सभागार परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. राजकुमार, प्रॉक्टर एवं चीफ वार्डन बॉयज प्रो. एससी मलिक, चीफ वार्डन गर्ल्ज प्रो. राजेश धनखड़, यूनिवर्सिटी हैल्थ सेंटर के इंचार्ज डा. राजीव शर्मा, विवेकानंद पुस्तकालयाध्यक्ष डा. सतीश मलिक, डा. रणबीर सिंह गुलिया, वाईआरसी काउंसलर डा. बबीता खोसला व डा. रचना भटेरिया, वाईआरसी फील्ड सुपरवाइजर वाईएस मोर, परिवहन अधिकारी जेएस दहिया आदि मौजूद रहे।